

दिनांक 28.08.2026 को सम्पन्न परिवाद समिति की बैठक की कार्यवाही।

पथ प्रमंडल, शेरघाटी के अन्तर्गत पथ आस्तियों के अनुरक्षण हेतु दीर्घकालीन निष्पादन और उपलब्धि आधारित पथ आस्तियाँ अनुरक्षण संविदा (Long Term Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) Under Package No.-49A/OPRMC-III for the year 2026-33 कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में प्राप्त परिवाद पर विभागीय पत्रांक-2217(E) दिनांक-01.04.2026, पत्रांक-2360(E) दिनांक-09.04.2026 एवं पत्रांक-5625(E) दिनांक-17.08.2026 द्वारा गठित समिति की बैठक की कार्यवाही।

उपस्थिति:

- (i) श्री उमा कान्त रजक, अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव (कार्य प्रबंधन), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- (ii) श्री अभिषेक पलासिया, संयुक्त सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- (iii) श्री राजेश कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता, संविदा प्रबंधन, नीतिगत मामले एवं लेखा परीक्षा, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
- (iv) श्री राजकुमार, मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।

2. दिनांक-14.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की कार्यवाही, जो उपभागीय ज्ञापांक-2715 दिनांक-14.08.2026 द्वारा संसूचित है, में लिये गये निर्णय के विरुद्ध प्राप्त परिवाद पर मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2858(अनु०) दिनांक-22.08.2026 के माध्यम से परिवाद पर दिनांक-22.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की कार्यवाही एवं अनुशंसा के आधार पर विवरणी निम्नवत् है :-

- 2.1 कार्य का नाम एवं पैकेज संख्या : पथ आस्तियों के अनुरक्षण हेतु दीर्घकालीन निष्पादन और उपलब्धि आधारित पथ आस्तियाँ अनुरक्षण संविदा (Long Term Output & Performance Based Road Assets Maintenance Contract) Under Package No.-49A/OPRMC-III for the year 2026-33
- 2.2 योजना मद : 3054
- 2.3 निविदा आमंत्रित करने वाले प्रमंडल का नाम : पथ प्रमंडल, शेरघाटी
- 2.4 प्रशासनिक स्वीकृति की राशि एवं प्रसंग : ₹13346.70 लाख।
विभागीय ज्ञापांक-3247(एस०) दिनांक-12.05.2026
- 2.5 तकनीकी स्वीकृति की राशि एवं प्रसंग : ₹15414.06 लाख।
मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना का पत्रांक-1677 (अनु०), दिनांक-22.05.2026
- 2.6 ECV/परिमाण विपत्र की राशि : ₹13572.1826 लाख।
- 2.7 कार्य समाप्ति की अवधि : 84 (Eighty-four) Months.
- 2.8 निविदा की प्रक्रिया : ई-टेंडरिंग (MBD)
- 2.9 निविदा प्राप्ति की तिथि : 03.07.2026
- 2.10 प्राप्त निविदा क्या पुनर्निविदा है यदि हाँ तो कारण : पुनर्निविदा नहीं है।

3. विषयांकित निविदा में निम्नलिखित 04 (चार) संवेदकों द्वारा भाग लिया गया :-
 (1) Dwarika Singh (2) M/s Bhardwaj Construction.
 (3) Shivalaya Construction Ltd. (4) Avednex Pvt. Ltd.

4. उपरोक्त कार्य की निविदा में कुल 04 (चार) निविदाकार यथा—(i) Dwarika Singh (ii) M/s Bhardwaj Construction. (iii) Shivalaya Construction Ltd. एवं (iv) Avednex Pvt. Ltd. द्वारा भाग लिया गया है।

दिनांक-14.08.2026 को तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति द्वारा 04 (चार) निविदाकारों में से 03 (तीन) निविदाकार यथा—(i) Shivalaya Construction Ltd. को MBD Section 3 : Clause 2.3.3, Section 4E.8 & 4E.9 एवं MBD Section 3 : Clause 2.6, Section 4, D.3 के तहत (ii) M/s Bhardwaj Construction को MBD Section-3 Clause 2.2.1, Section 4E.5 के तहत एवं (iii) Avednex Pvt. Ltd. को निविदा की सभी वांछित न्यूनतम अहर्ता पूर्ण नहीं करने के कारण तकनीकी बीड में असफल तथा शेष 01 (एक) निविदाकार Dwarika Singh को तकनीकी बीड में सफल घोषित करने का निर्णय लिया गया।

5. उपभागीय ज्ञापांक-2715 दिनांक-14.08.2026 द्वारा संसूचित दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की निर्णय के विरुद्ध विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा (1) Shivalaya Construction Ltd, Ref-SCL-Bids/RCD/Bihar/2026/Pkg-49A/01 Date-17.08.2026 एवं (2) M/s Bhardwaj Construction के Ref:-114 दिनांक-17.08.2026 द्वारा परिवाद/अभ्यावेदन/ आपत्ति समर्पित किये जाने के परिप्रेक्ष्य में मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2858(अनु०) दिनांक-22.08.2026 द्वारा परिवाद पर दिनांक-22.08.2026 को आहूत तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की बैठक की कार्यवाही एवं अनुशंसा समर्पित की गई है।

6. **परिवाद:-** उपरोक्त तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा— (i) Shivalaya Construction Ltd, Ref-SCL-Bids/RCD/Bihar/2026/Pkg-49A/01 Date-17.08.2026 एवं (ii) M/s Bhardwaj Construction के Ref:-114 दिनांक-17.08.2026 द्वारा विषयांकित कार्य के तकनीकी बीड मूल्यांकन पर परिवाद प्राप्त हुआ है, जो निम्नवत् है :-

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
1.	Shivalaya Construction Limited	<u>1. Serial No. 17; Financial Resources, Section3: Clause 2.3.3, Section 4E.8 & 4E.9, Form FIN-3 & Fin 3(a)</u> <u>Remarks: "Wrong Package Name Mentioned"</u> As per Clause no. 2.3.3 of the Model Bidding Document (MBD) "The Bidder must demonstrate access to or availability	निविदाकार Shivalaya Construction Limited द्वारा निविदा के साथ uploaded Financial	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		of financial resources such as liquid assets, unencumbered real assets, lines of credit, and other financial means, other than any contractual advance payments to meet: Credit Lines/ Letter of Credit/ Solvency Certificates from Banks etc. shall be not less than 10% of the total Estimated Cost Value i.e. ₹ 13,57,21,826/-" As per Clause no. 2.3.3 of the Model Bidding Document (MBD) clearly states that only one of the following is required: a line of credit, a letter of credit, or a solvency certificate from banks, etc. However, we had submitted two certificates from banks (Details provided below and re-attached for your records and reference): 1. Credit Facility certificate from HDFC Bank: 25.00 Crore 2. Credit Limit certificate from Bank's: 975.00 Crore We possess a credit limit certificate from the bank for ₹975 crore, which significantly exceeds the minimum requirement of ₹13.57 crore. Therefore, the requirement of Clause 2.3.3 is fully met. We request you to kindly consider the same. <u>2. Serial No. 23; Equipment: Section 3: Clause 2.6, Section 4 D.3, Form EQU "Hot Mix Plant Lease Attached"</u> Due to a typographical error, we wrote 'Leased' instead of 'Owned' equipment. We request you to read this as "Owned". We have submitted the invoice with the Technical Bid was clearly indicates "Consignee (Ship To): M/s Shivalaya Construction Co. Pvt. Ltd.", thereby establishing the availability of the equipment for execution of the subject work. Therefore, the requirement under Form EQU has been fully met. We request you to kindly consider the same. We respectfully request you to kindly consider the above clarifications along with the enclosed revised documents and take the same on record for further evaluation of our Technical Bid.	Resources के Form FIN-3(a) में OPRMC-III/ Package No-44B, under Road Division-01, Aurangabad का नाम अंकित किया गया है, जबकि उक्त कार्य पथ प्रमंडल शेरघाटी OPRMC-III/ Package No-49C, से संबंधित है। उक्त के संबंध में MBD Section 3: Clause 2.3.3, Section 4E.8 & 4E.9 का उल्लंघन है। अतः परिवाद को अमान्य किया जाता है। क्रमांक 2 अन्तर्गत वर्णित परिवाद को मान्य किया जाता है।	

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		We trust that the enclosed documents adequately address all the observations raised. Kindly acknowledge receipt of this submission.		
2.	M/S Bhardwaj Construction	1. That this objection/representation is being filed by the petitioner in pursuance of order dated 14.08.2026 by which the technical bid of the petitioner has been rejected on the ground that he has not shown the column for pending litigation whereas a writ petition bearing CWJC No. 7703 of 2026 is pending before the Hon'ble High Court, Patna regarding payment of the price escalation as provided under clause 10 (C), (A) and 10 (C), (c) under Vaishali Road Division, Hajipur, Road Construction Department whereas the said clause is a non essential condition and whereas the technical bid of some other similarly situated bidder has been passed and they have been declared successful as will be apparent from the statements made in paragraphs here in below. A copy of the order dated 14.08.26 is annexed here with and marked as Annexure-1 2. That it is relevant to mention some relevant facts for better appreciation of this case. 3. That it is stated that a NIT was published for work namely OPRMC under package no. 49A OPRMC-III for the year 2026-33 Road Division Sherghati and the price of the contract was Rs. 15414.06 Lacs and as the petitioner was having all the requisite qualification he also participated in the said bid by filing an appropriate bid form along with all the requisite documents and requisite earnest money as will be apparent from the report attached in the abovesaid order dated 14.08.2026 from perusal of which it will manifestly be apparent that the petitioner mentioned in column no. 5 that he is fulfilling all the essential condition as	निविदाकार M/S Bhardwaj Construction के विरुद्ध Litigation लंबित है, जिसे Pending Litigation अन्तर्गत नहीं दर्शाया गया है। जिस कारण MBD Section-3 Clause 2.2.1, Section 4E.5 का उल्लंघन है। अतः परिवाद को अमान्य किया जाता है।	तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा से सहमत

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		mentioned in notice inviting tender and MBD and he is having all the requisites experience required for the said work. 4. That it is stated that altogether 6 tenderors including MG contractor Pvt. Ltd, Dwarika Singh and the petitioner but the technical bid of the petitioner has been rejected on the ground that he has not mentioned regarding the pendency of above mentioned CWJC No. 7703 of 2026 which was a non essential condition as this condition has nothing to do with the nature of the abovesaid work but at the same time the technical bid of Dwarika Singh (who has also not disclosed regarding the pendency of CWJC No. 16829 of 2025 Dwarika Singh Versus The State of Bihar & others and have mentioned the said column regarding pending litigation as not applicable) has been approved and he has been declared successful in technical bid but the case of the petitioner has been differently treated as will be apparent from the present status of the abovesaid case CWJC No. 16829 of 2025 and from the perusal of the letter dated 30.06.2026 showing that Dwarika Singh had mentioned the word not applicable regarding pending litigation. A copy of the present status of case of CWJC No. 16829 of 2025 along with letter dated 30.06.2026 issued by Dwarika Singh is annexed here with and marked as Annexure-2 5. That it is also relevant to mention here that likewise in other tenders for similar works, the technical bid of some other bidder who have not disclosed regarding pendency of cases before Hon'ble High Court, Patna in the column of pending litigation but they have been declared successful in technical bid. For example M/s Mother India Construction Pvt. Ltd has file CWJC No. 2824 of 2025 which is pending before the Hon'ble High Court, Patna and he has also not disclosed the abovesaid facts in the tender document but he has been declared successful in several	CWJC No. 16829 of 2025 ग्रामीण कार्य विभाग से संबंधित है। निविदाकार द्वारा Litigation History छुपाया गया है। अतः आरोप मान्य है। CWJC No. 2824 of 2025 इस निविदा में निविदाकार द्वारा भाग नहीं लिया गया है। अतः परिवाद विचारणीय नहीं है।	Dwarika Singh द्वारा दायर वाद CWJC No. 16829 of 2025 वर्तमान में लंबित है, जिसे इन्होंने Pending Litigation में नहीं दर्शाया है।

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		technical bids in package no. 34(B) under Ara Division package no. 33(A) under Sheikhpura Division, package no. 46(A) and 46(B) under Jehanabad Division likewise one Baijnath Nirman India Pvt. Ltd. had also filed CWJC No. 16954 of 2024 which is also pending and despite non disclosure of the same in the tender document, he has been declared successful in technical bid in package no. 40(B) under Hilsa Division and one Sristi Developers Pvt. Ltd. has also filed CWJC No. 10134 of 2026 which was pending till 13.07.2026 but the same has not been disclosed by him in the tender form filled up/ submitted by/ before 03.07.2026 but he has also been declared successful in technical bid in package no. 40(B) under Hilsa Division, package no. 48(B). under Nawada Division, package no. 39(A) under Biharsharif Division and package no. 22(A) under Katihar Division but the case of the petitioner has been treated differently all the abovesaid fact will manifestly be apparent from the cases status published on the high site and as such it is manifestly evident that the abovesaid condition of disclosing the pending litigation is purely a non essential condition and the technical bid of the petitioner out not to have been rejected on such grounds as he is fulfilling all the essential conditions. Copies of the present case status is annexed here with and marked as Annexure-3 Series 6. That at this stage it is relevant to mention here that it has been held in so many cases by the Hon'ble High Court, Patna that in all tender process the requirement can be broadly categorize as those which laid down essential conditions of eligibility and the other which are merely insularly or subsidiary to the main object and in the present case requirement of clause 2.2.1 of the MBD is not related with the main object of the work and hence the rejection of technical bid of the petitioner is bad in law it is also relevant to mention here that	CWJC No. 16954 of 2024 इस निविदा में निविदाकार द्वारा भाग नहीं लिया गया है। अतः परिवाद विचारणीय नहीं है। CWJC No. 10134 of 2026 इस निविदा में निविदाकार द्वारा भाग नहीं लिया गया है। अतः परिवाद विचारणीय नहीं है।	

क्र० सं०	परिवादी निविदाकार का नाम	परिवाद के बिन्दु	परिवाद की समीक्षा एवं निर्णय	परिवाद समिति की अनुशंसा
		it is also settled principle that the concerned authorities should realized that award of contracts are sources of livelihood and the concerned authorities should not insist on hyper technicalies and here splitting and they must give up there image of specializing in finding out all the wrong and hyper technical reasons to defeat genuine cases but in the present case the technical bid of the petitioner has been rejected on the ground relating to a very non essential condition. 7. That in view of the abovesaid facts and circumstances it is manifestly apparent that the case of the petitioner has been rejected on a very hyper technical ground as the condition laid down in 6 clause 2.2.1 of the MBD which is a non essential condition as will be apparent from the abovesaid statements that some similarly situated other bidders have been declared successful in the technical bids where as they have also not fulfilled the condition of abovesaid clause 2.2.1 which itself clarifies that it is a non essential condition It is, therefore, prayed that your lordships may graciously be pleased to consider this objection/representation and after hearing the petitioner be pleased to allow this objection/representation petition and approve/pass the technical bid of the petitioner and be pleased to declare the petitioner successful in technical bid and be pleased to open his financial bid. And/OrPass such order/orders may deem fit and proper.		

7. परिवाद की समीक्षा एवं तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति की अनुशंसा :-

समिति द्वारा सम्यक् विचारोपरान्त Dwarika Singh को असफल घोषित किया जाता है एवं दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के शेष निर्णय को यथावत् रखने की अनुशंसा की जाती है।





8. परिवाद समिति का निर्णय :-

(i) विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में असफल निविदाकार यथा (1) Shivalaya Construction Ltd, Ref-SCL-Bids/RCD/Bihar/2026/Pkg-49A/01 Date-17.08.2026 एवं (2) M/s Bhardwaj Construction के Ref:-114 दिनांक-17.08.2026 के द्वारा अपने संबंध में दिए गए परिवाद/आपत्ति को अमान्य करने का निर्णय लिया गया।

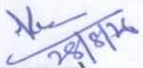
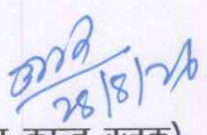
(ii) 04 (चार) निविदाकारों यथा-(1) Shivalaya Construction Ltd को MBD Section 3 : Clause 2.3.3, Section 4E.8 & 4E.9 एवं MBD Section 3 : Clause 2.6, Section 4, D.3 के तहत (2) M/s Bhardwaj Construction को MBD Section-3 Clause 2.2.1, Section 4E.5 के तहत (3) Avednex Pvt. Ltd. को निविदा में वांछित अन्य कोई भी कागजात Upload नहीं करने के कारण एवं (4) Dwarika Singh द्वारा Pending Litigation नहीं दर्शाने के कारण MBD के Section-3 Clause 2.2.1 के आलोक में तकनीकी बीड में असफल घोषित करने का निर्णय लिया गया।

(iii) विषयांकित कार्य की निविदा के तकनीकी बीड में एक भी निविदाकार के सफल नहीं होने के फलस्वरूप निविदा को रद्द कर पुनर्निविदा आमंत्रित करने का निदेश दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को दिया गया।

(iv) उपभागीय ज्ञापांक-2715 दिनांक-14.08.2026 द्वारा संसूचित दिनांक-14.08.2026 को सम्पन्न तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति के निर्णय को इस हद तक संशोधित समझा जाय।

(v) मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना संबंधित परिवादी बीडर को समिति के निर्णय से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

8.1 परिवाद समिति की इस कार्यवाही को विभागीय वेबसाइट पर भी डाली जाय।

 (राज कुमार) मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।	 (राजेश कुमार गुप्ता) मुख्य अभियंता, संविदा प्रबंधन, नीतिगत मामले एवं लेखा परीक्षा, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।	 (अभिषेक पलासिया) संयुक्त सचिव, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।	 (उमा कान्त रजक) अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव (कार्य प्रबंधन), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना।
---	---	--	--

ज्ञापांक: प्र0-7/निविदा-03-125/2026 5996(E)

पटना, दिनांक 29/8/2026

प्रतिलिपि:- मुख्य अभियंता, दक्षिण, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना/ मुख्य अभियंता (अनुश्रवण), पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित/ आई0टी0 मैनेजर, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु प्रेषित।


(उमा कान्त रजक)
अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव(कार्य प्रबंधन),
पथ निर्माण विभाग, बिहार पटना।